

2 पतरस

- 1 यह खत ईसा मसीह के खादिम और रसूल शमौन पतरस की तरफ से है।
 मैं उन सबको लिख रहा हूँ जिन्हें हमारे खुदा और नजातदहिदा ईसा मसीह की रास्तबाज़ी के वसिले से वही बेशक्रीमत ईमान बख्शा गया है जो हमें भी मिला।
 2 खुदा करे कि आप उसे और हमारे खुदावंद ईसा को जानने में तरक्की करते करते कसरत से फ़ज़ल और सलामती पाते जाएँ।

अल्लाह का बुलावा

- 3 अल्लाह ने अपनी इलाही कुदरत से हमें वह सब कुछ अता किया है जो खुदातरस ज़िंदगी गुज़ारने के लिए ज़रूरी है। और हमें यह उसे जान लेने से हासिल हुआ है। क्योंकि उसने हमें अपने ज़ाती जलाल और कुदरत के ज़रीए बुलाया है।
 4 इस जलाल और कुदरत से उसने हमें वह अज़ीम और बेशक्रीमत चीज़ें दी हैं जिनका वादा उसने किया था। क्योंकि वह चाहता था कि आप इनसे दुनिया की बुरी खाहिशात से पैदा होनेवाले फ़साद से बचकर उस की इलाही ज़ात में शरीक हो जाएँ।
 5 यह सब कुछ पेशे-नज़र रखकर पूरी लग्न से कोशिश करें कि आपके ईमान से अखलाक पैदा हो जाए, अखलाक से इल्म,
 6 इल्म से ज़बते-नफ़स, ज़बते-नफ़स से साबितकदमी, साबितकदमी से खुदातरस ज़िंदगी,
 7 खुदातरस ज़िंदगी से बरादाराना शफ़क़त और बरादाराना शफ़क़त से सबके लिए मुहब्बत।
 8 क्योंकि जितना ही आप इन खूबियों में बढ़ते जाएंगे उतना ही यह आपको इससे महफूज़ रखेगी कि आप हमारे खुदावंद ईसा मसीह को जानने में सुस्त और बेफ़ल रहें।
 9 लेकिन जिसमें यह खूबियाँ नहीं हैं उस की नज़र इतनी कमज़ोर है कि वह अंधा है। वह भूल गया है कि उसे उसके गुज़रे गुनाहों से पाक-साफ़ किया गया है।
 10 चुनौचे भाइयो, मज़ीद लग्न से अपने बुलावे और चुनाव की तसदीक करने में कोशिश रहें। क्योंकि यह करने से आप गिर जाने से बचेंगे

11 और अल्लाह बड़ी खुशी से आपको हमारे खुदावंद और नजातदहिदा ईसा मसीह की बादशाही में दाखिल होने की इजाज़त देगा।

12 इसलिए मैं हमेशा आपको इन बातों की याद दिलाता रहूँगा, हालाँकि आप इनसे वाकिफ़ हैं और मज़बूती से उस सच्चाई पर कायम हैं जो आपको मिली है।

13 बल्कि मैं अपना फ़र्ज़ समझता हूँ कि जितनी और देर मैं जिस्म की इस झोंपड़ी में रहता हूँ आपको इन बातों की याद दिलाने से उभारता रहूँ।

14 क्योंकि मुझे मालूम है कि अब मेरी यह झोंपड़ी जल्द ही ढा दी जाएगी। हमारे खुदावंद ईसा मसीह ने भी मुझ पर यह ज़ाहिर किया था।

15 लेकिन मैं पूरी कोशिश करूँगा कि मेरे कूच कर जाने के बाद भी आप हर वक़्त इन बातों को याद रख सकें।

मसीह के जलाल के गवाह

16 क्योंकि जब हमने आपको अपने और आपके खुदावंद मसीह की कुदरत और आमद के बारे में बताया तो हम चालाकी से घड़े किस्से-कहानियों पर इनहिसार नहीं कर रहे थे बल्कि हमने यह गवाहों की हैसियत से बताया। क्योंकि हमने अपनी ही आँखों से उस की अज़मत देखी थी।

17 हम मौजूद थे जब उसे खुदा बाप से इज़्जतो-जलाल मिला, जब एक आवाज़ ने अल्लाह की पुरजलाल शान से आकर कहा, “यह मेरा प्यारा फ़रज़द है जिससे मैं खुश हूँ।”

18 जब हम उसके साथ मुक़द्दस पहाड़ पर थे तो हमने खुद यह आवाज़ आसमान से आती सुनी।

19 इस तजरबे की बिना पर हमारा नबियों के पैग़ाम पर एतमाद ज्यादा मज़बूत है। आप अच्छा करेंगे अगर इस पर ख़ूब ध्यान दें। क्योंकि यह किसी तारीक जगह में रौशनी की मानिंद है जो उस वक़्त तक चमकती रहेगी जब तक पौ फटकर सुबह का सितारा आपके दिलों में तुलू न हो जाए।

20 सबसे बढ़कर आपको यह समझने की ज़रूरत है कि कलामे-मुक़द्दस की कोई भी पेशगोई नबी की अपनी ही तफ़सीर से पैदा नहीं होती।

21 क्योंकि कोई भी पेशगोई कभी भी इनसान की तहरीक से वुजूद में नहीं आई बल्कि पेशगोई करते वक़्त इनसानों ने रूहल-कुद्स से तहरीक पाकर अल्लाह की तरफ़ से बात की।

2

झूटे उस्ताद

1 लेकिन जिस तरह माजी में इसराईल क्रौम में झूटे नबी भी थे, उसी तरह आपमें से भी झूटे उस्ताद खड़े हो जाएंगे। यह खुदा की जमातों में मोहलक तालीमात फैलाएँगे बल्कि अपने मालिक को जानने से इनकार भी करेंगे जिसने उन्हें खरीद लिया था। ऐसी हरकतों से यह जल्द ही अपने आप पर हलाकत लाएँगे।

2 बहुत-से लोग उनकी ऐयाश हरकतों की पैरवी करेंगे, और इस वजह से दूसरे सच्चाई की राह पर कुफ़र बकेंगे।

3 लालच के सबब से यह उस्ताद आपको फ़रज़ी कहानियाँ सुनाकर आपकी लूट-खसोट करेंगे। लेकिन अल्लाह ने बड़ी देर से उन्हें मुजरिम ठहराया, और उसका फ़ैसला सुस्तरफ़तार नहीं है। हाँ, उनका मुंसिफ़ ऊँघ नहीं रहा बल्कि उन्हें हलाक करने के लिए तैयार खड़ा है।

4 देखें, अल्लाह ने उन फ़रिशतों को बचने न दिया जिन्होंने गुनाह किया बल्कि उन्हें तारीकी की जंजीरों में बाँधकर जहन्नुम में डाल दिया जहाँ वह अदालत के दिन तक महफूज़ रहेंगे।

5 इसी तरह उसने क़दीम दुनिया को बचने न दिया बल्कि उसके बेदीन बाशिंदों पर सैलाब को आने दिया। उसने सिर्फ़ रास्तबाज़ी के पैगंबर नूह को सात और जानों समेत बचाया।

6 और उसने सदूम और अमूरा के शहरों को मुजरिम करार देकर राख कर दिया। यों अल्लाह ने उन्हें इबरत बनाकर दिखाया कि बेदीनों के साथ क्या कुछ किया जाएगा।

7 साथ साथ उसने लूट को बचाया जो रास्तबाज़ था और बेउसूल लोगों के गंदे चाल-चलन देख देखकर पिसता रहा।

8 क्योंकि यह रास्तबाज़ आदमी उनके दरमियान बसता था, और उस की रास्तबाज़ जान रोज़ बरोज़ उनकी शरीर हरकतें देख और सुनकर सरख्त अज़ाब में फँसी रही।

9 यों ज़ाहिर है कि रब दीनदार लोगों को आजमाइश से बचाना और बेदीनों को अदालत के दिन तक सज़ा के तहत रखना जानता है,

10 खासकर उन्हें जो अपने जिस्म की गंदी खाहिशात के पीछे लगे रहते और खुदावंद के इख्तियार को हकीर जानते हैं।

यह लोग गुस्ताख और मगरूर हैं और जलाली हस्तियों पर कुफ़र बकने से नहीं डरते।

11 इसके मुकाबले में फ़रिश्ते भी जो कहीं ज़्यादा ताक़तवर और क़वी हैं रब के हुज़ूर ऐसी हस्तियों पर बुहतान और इलज़ामात लगाने की ज़ुरत नहीं करते।

12 लेकिन यह झूटे उस्ताद बेअक्ल जानवरों की मानिंद हैं, जो फ़ितरी तौर पर इसलिए पैदा हुए हैं कि उन्हें पकड़ा और ख़त्म किया जाए। जो कुछ वह नहीं समझते उस पर वह कुफ़र बकते हैं। और जंगली जानवरों की तरह वह भी हलाक हो जाएंगे।

13 यों जो नुक़सान उन्होंने दूसरों को पहुँचाया वही उन्हें ख़ुद भुगतना पड़ेगा। उनके नज़दीक लुत्फ़ उठाने से मुराद यह है कि दिन के वक़्त खुलकर ऐश करें। वह दाग़ और धब्बे हैं जो आपकी ज़ियाफ़तों में शरीक होकर अपनी दगाबाज़ियों की रंगरलियाँ मनाते हैं।

14 उनकी आँखें हर वक़्त किसी बदकार औरत से ज़िना करने की तलाश में रहती हैं और गुनाह करने से कभी नहीं स्क़तीं। वह कमज़ोर लोगों को ग़लत काम करने के लिए उकसाते और लालच करने में माहिर हैं। उन पर अल्लाह की लानत!

15 वह सहीह राह से हटकर आवारा फिर रहे और बिलाम बिन बओर के नक्शे-क़दम पर चल रहे हैं, क्योंकि बिलाम ने पैसों के लालच में ग़लत काम किया।

16 लेकिन ग़धी ने उसे इस गुनाह के सबब से डाँटा। इस जानवर ने जो बोलने के काबिल नहीं था इनसान की-सी आवाज़ में बात की और नबी को उस की दीवानगी से रोक दिया।

17 यह लोग सूखे हुए चश्मे और आँधी से धकेले हुए बादल हैं। इनकी तकदीर अंधेरे का तारीक़तरीन हिस्सा है।

18 यह मगरूर बातें करते हैं जिनके पीछे कुछ नहीं है और ग़ैरअख़लाक़ी जिस्मानी शहवतों से ऐसे लोगों को उकसाते हैं जो हाल ही में धोके की ज़िंदगी गुज़ारनेवालों में से बच निकले हैं।

19 यह उन्हें आज़ाद करने का वादा करते हैं जबकि ख़ुद बदकारी के गुलाम हैं। क्योंकि इनसान उसी का गुलाम है जो उस पर ग़ालिब आ गया है।

20 और जो हमारे ख़ुदावंद और नजातदहिंदा ईसा मसीह को जान लेने से इस दुनिया की आलूदगी से बच निकलते हैं, लेकिन बाद में एक बार फिर इसमें फँसकर मग़लूब हो जाते हैं उनका अंजाम पहले की निसबत ज़्यादा बुरा हो जाता है।

21 हाँ, जिन लोगों ने रास्तबाज़ी की राह को जान लिया, लेकिन बाद में उस मुकद्दस हुक्म से मुँह फेर लिया जो उनके हवाले किया गया था, उनके लिए बेहतर होता कि वह इस राह से कभी वाकिफ़ न होते।

22 उन पर यह मुहावरा सादिक आता है कि “कुत्ता अपनी क़ै के पास वापस आ जाता है।” और यह भी कि “सुअरनी नहाने के बाद दुबारा कीचड़ में लोटने लगती है।”

3

खुदावंद की आमद का वादा

1 अज़ीज़ो, यह अब दूसरा ख़त है जो मैंने आपको लिख दिया है। दोनों ख़तों में मैंने कई बातों की याद दिलाकर आपके ज़हनों में पाक सोच उभारने की कोशिश की।

2 मैं चाहता हूँ कि आप वह कुछ याद रखें जिसकी पेशगोई मुकद्दस नबियों ने की थी और साथ साथ हमारे खुदावंद और नजातदहिदा का वह हुक्म भी जो आपको अपने रसूलों की मारिफ़त मिला।

3 अब्बल आपको यह बात समझने की ज़रूरत है कि इन आखिरी दिनों में ऐसे लोग आएँगे जो मज़ाक़ उड़ाकर अपनी शहवतों के क़ब्ज़े में रहेंगे।

4 वह पूछेंगे, “ईसा ने आने का वादा तो किया, लेकिन वह कहाँ है? हमारे बापदादा तो मर चुके हैं, और दुनिया की तख़लीक़ से लेकर आज तक सब कुछ वैसे का वैसे ही है।”

5 लेकिन यह लोग नज़रंदाज़ करते हैं कि क़दीम ज़माने में अल्लाह के हुक्म पर आसमानों की तख़लीक़ हुई और ज़मीन पानी में से और पानी के ज़रीए वुजूद में आई।

6 इसी पानी के ज़रीए क़दीम ज़माने की दुनिया पर सैलाब आया और सब कुछ तबाह हुआ।

7 और अल्लाह के इसी हुक्म ने मौजूदा आसमान और ज़मीन को आग के लिए महफूज़ कर रखा है, उस दिन के लिए जब बेदीन लोगों की अदालत की जाएगी और वह हलाक़ हो जाएंगे।

8 लेकिन मेरे अज़ीज़ो, एक बात आपसे पोशीदा न रहे। खुदावंद के नज़दीक़ एक दिन हज़ार साल के बराबर है और हज़ार साल एक दिन के बराबर।

9 खुदावंद अपना वादा पूरा करने में देर नहीं करता जिस तरह कुछ लोग समझते हैं बल्कि वह तो आपकी खातिर सब्र कर रहा है। क्योंकि वह नहीं चाहता कि कोई हलाक हो जाए बल्कि यह कि सब तौबा की नौबत तक पहुँचें।

10 लेकिन खुदावंद का दिन चोर की तरह आएगा। आसमान बड़े शोर के साथ खत्म हो जाएंगे, अजरामे-फलकी आग में पिघल जाएंगे और ज़मीन उसके कामों समेत ज़ाहिर होकर अदालत में पेश की जाएगी।

11 अब सोचें, अगर सब कुछ इस तरह खत्म हो जाएगा तो फिर आप किस क्रिस्म के लोग होने चाहिएँ? आपको मुकद्दस और खुदातरस ज़िंदगी गुज़ारते हुए

12 अल्लाह के दिन की राह देखनी चाहिए। हाँ, आपको यह कोशिश करनी चाहिए कि वह दिन जल्दी आए जब आसमान जल जाएंगे और अजरामे-फलकी आग में पिघल जाएंगे।

13 लेकिन हम उन नए आसमानों और नई ज़मीन के इंतज़ार में हैं जिनका वादा अल्लाह ने किया है। और वहाँ रास्ती सुकूनत करेगी।

14 चुनौचे अज़ीज़ो, चूँकि आप इस इंतज़ार में हैं इसलिए पूरी लग्न के साथ कोशिशें करें कि आप अल्लाह के नज़दीक बेदाग और बेइलज़ाम ठहरें और आपकी उसके साथ सुलह हो।

15 याद रखें कि हमारे खुदावंद का सब्र लोगों को नजात पाने का मौका देता है। हमारे अज़ीज़ भाई पौलुस ने भी उस हिकमत के मुताबिक जो अल्लाह ने उसे अता की है आपको यही कुछ लिखा है।

16 वह यही कुछ अपने तमाम खतों में लिखता है जब वह इस मज़मून का जिक्र करता है। उसके खतों में कुछ ऐसी बातें हैं जो समझने में मुश्किल हैं और जिन्हें जाहिल और कमज़ोर लोग तोड़-मरोड़कर बयान करते हैं, बिल्कुल उसी तरह जिस तरह वह बाकी सहीफ़ों के साथ भी करते हैं। लेकिन इससे वह अपने आपको ही हलाक कर रहे हैं।

17 मेरे अज़ीज़ो, मैं आपको वक़्त से पहले इन बातों से आगाह कर रहा हूँ। इसलिए खबरदार रहें ताकि बेउसूल लोगों की ग़लत सोच आपको बहकाकर आपको महफूज़ मक़ाम से हटा न दे।

18 इसके बजाए हमारे खुदावंद और नजातदहिंदा ईसा मसीह के फज़ल और इल्म में तरक्की करते रहें। उसे अब और अबद तक जलाल हासिल होता रहे! आमीन।

किताबे-मुकदस

**The Holy Bible in the Urdu language, Urdu Geo
Version, Hindi Script**

Copyright © 2019 Urdu Geo Version

Language: उर्दू (Urdu)

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution-Noncommercial-No Derivatives license 4.0.

You may share and redistribute this Bible translation or extracts from it in any format, provided that:

You include the above copyright and source information.

You do not sell this work for a profit.

You do not change any of the words or punctuation of the Scriptures.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

2024-09-20

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 15 May 2025 from source files dated 15 May 2025

a1ee0020-7263-5fce-8289-9d7a7ac2d299